पेपक,

अतर सिंह. उप राधिव उत्तरांचल शासनः

रोवा में.

गुख्य चिकित्साधिकारी त्रम्यावत ।

चिकित्सा अनुवाग-5

- 1 26 TH, 2006 विषय:-वित्तीय वर्ष 2005-06 प्रावानक स्वास्थ्य केन्द्र मध्य जनवद श्रम्पावत के भवन के निर्माण

कार्य की स्वीकृति।

महोदय.

जपर्युक्त विषय आपके पन्न तत-547/28-4-2005-62/2005 दिनांक 26-10-2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है जि ही राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2005-06 में लाख मात्र) के लागत पर प्रशासनित : करते हैं।

एकमुश्त प्राविवामी का कर्ण करने रूपने विस्तृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी से रवीकृति प्राप्त कर ले।

नगर्थ कराते समय लोठ कि किला के व्यक्तिल विशिष्टयों के अनुरूप कार्य कराये सथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष यह विका एक का की मुखबता का पूर्ण उत्तरदावित्व निर्माण एजेन्सी का होगा।

धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा ने इसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा।

रवीकृत धनतशि के व्याटरण के सदाबत पाकचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी तथा धनराशि का क्या विलोध हस्तापुरितका में उल्लिखित प्राविधानों में बजट भैनुअल तथा शासन द्वारा समय-एकट वर्ष केल करता में अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगः।

आगणन में उल्लिका ६६ - अवस्था बिनान के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा रवीकृत/अनुमोदित वरों में जी वहें कि अध्या साजार भाव से भी ली मंगी हो, की स्वीकृति नियमानुस्तर अजीवण आनयन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।

कार्य कराने से पूर्व दिस्तृत आर्थान्/गानधित्र गतित कर नियमानुसार सक्षम प्राविधकारी से प्राविधिक स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता को अनुमोदन आवश्यक होगा।

कार्य पर उत्तना ही बाद्य किया आक्रम किल्हा कि स्वीकृत मानक है। स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया दाद

9- एक मुश्त प्राधिद्यन को स्वत्य अगणन ग**ित कर** नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आकृत

कार्य कराने शे पूर्व समस्त आपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लाक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दसँ हिन्ति हैं है अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना स्निश्चित करें।

कार्य करने से पूर्व स्थल का कर भारत निएडण रच्च अधिकारियों एवं भुगर्ववस्ता के साथ आनश्य करा लें। विशेक्षण के परवात अञ्चलकान-एक निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाग ।

12- आगणन को जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यव किया आए. एक मद का दूसरी मत में -पूर्व विग्सी प्रयोगशास्ता से ५६ - -नाने तानी सामग्री को प्रयोग में साधा जाए। 13-स्वीकत दशहर. ा प्रत्या दशा में मार की 07 तारीख तक निर्धारित प्रत्यूप पर राहान का उपलब्ध कराई जायना। यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि इस धनराशि से निर्माण का कौन सा अस पुर्धातमा निर्मा किया गया है। निर्माण कार्य से पूर्व नींत के भ-भाग की गणना आवश्यक आवश्यक है, नींव के 14-भू-भाग की गणना के आधार के अन्य किया ।

निर्माण के राज्य याद किसी कारणवंश शहि परिकल्पनाओं / विशिष्ट्यों में बदलाव आता 15-है तो इस दशा में शासन की पूर्व पर्व करें कर कार्य कर है उनते भवनों के कार्व हुई हुई कार्य नाम के आधार पर पूर्ण किया जाए ताकि लागत 16

पुरीक्षित करने की आवश्यकता न पड़ा

उवत व्यय वर्ष 2005-00 को अला-व्यथक में अनुदान संख्या-12 के 17-लेखाशीर्धक-4210-विकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय-02 ग्रामीण स्वास्थ्य सेवायें आयोजनागत, 103-प्राथगिक एउ कि कि विकास केन्द्र के भवनो यम निर्माण (सामान्य) किया हुन- विकास का किया गायमा।

18- यह आदेश वित्त वित्र कर कर किला (यव नियत्रण)अनुभाग-3/2008

दिनाक 2/3/2006 में प्राप्त सहसार ज जार कर पह रहे हैं।

(अतर सिंह) उप सचिव

संख्या-547(1) / XXVIII-5-2006-62 / ११ प्रतिशिषि निम्नलिशित को सूबनाई रह नाइन जायवारी हतु प्रेषित:-

गहालेखाकार उत्तरांबल, नागर बन्ध्यूरी

निवेशक, कोमामार, उत्तरांचल देहरादून।

कोषाधिकारी, सम्पावत ।

जिलाधियतरी, सम्पानतः।

महानिदेशक, चिकित्सा र 🐭 🔋 . 🕬 छत्तरांचन वहरापुन। परियोजना प्रवन्धक, उत्तराबल पर - - इन निर्माण निगम, देहरादून। 3-

7-बजट राजकोषीय, नियाजन व ६६ ५- । । ७ ७ ५ जल्दे, दहरादून।

िजी सथिव, मा० मुख्यन्त्री 3-

विता (व्यय निथन्नण) अनुभाग-3 / नियोजन दिमाग / एन०असई०सी०। 3-

आयुक्त, कुगाऊ / गढवाल मण्डल। 10-

11-मार्ड फाईल।

1-

2-

3-

4--3--

> (अतर सिंह) उप सचिव